

सांगानेर में महिलाओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बांधे रक्षासूत्र, कांग्रेस को दी 2 साल बनाम 5 साल की चुनौती

मुख्यमंत्री बोले—कांग्रेस ने राजस्थान को जीर्ण-शीर्ण किया, भाजपा सरकार ने समृद्ध और सशक्त प्रदेश की मजबूत नींव रखी

पद्मावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में राजस्थान की जनता को भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं दिया। युवाओं का कांग्रेस सरकार से भरोसा उठ गया था, जबकि किसान और मजदूर वर्ग परेशान रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के समय गैंगस्टर खुलेआम आतंक फैलाते रहे और सरकार उनके सामने गर्दन झुकाकर बैठी रही।

मुख्यमंत्री बुधवार को सांगानेर के मानसरोवर में आयोजित रक्षाबंधन पर्व कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान महिलाओं ने मुख्यमंत्री को रक्षासूत्र बांधे। मुख्यमंत्री ने माताओं-बहनों को रक्षाबंधन की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन के स्नेह के साथ बहनों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण के संकल्प को मजबूत करने का अवसर भी है।

कांग्रेस के पांच साल बनाम भाजपा सरकार के दो साल

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश की स्थिति ऐसे जीर्ण-शीर्ण मकान जैसी कर दी थी, जो चारों तरफ से टूटा-फूटा पड़ा था। इस बदहाली को बदलने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने प्रदेश के विकास का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया। पिछले ढाई वर्षों में पानी, बिजली, रोजगार, किसान और महिला सशक्तीकरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। उन्होंने कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने विधानसभा में 2 साल बनाम 5 साल का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखा है। इसमें दोनों सरकारों के कार्यों और योजनाओं का तुलनात्मक विवरण दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के नेता विधानसभा में बहस करने के बजाय मैदान छोड़कर भाग गए। उन्होंने कांग्रेस से अपने पांच वर्ष के कार्यकाल को लेखा-जोखा जनता के सामने रखने को कहा और दावा किया कि जनता काम के आधार पर स्वयं तय कर लेगी कि किस सरकार ने अधिक कार्य किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल हल्ला मचाने



से कुछ नहीं होता, जनता के सामने आकलन काम के आधार पर होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता कहते थे कि राजस्थान में वन स्टेट, वन इलेक्शन कोई नहीं करवा सकता, लेकिन भाजपा सरकार राजस्थान में वन स्टेट, वन इलेक्शन की दिशा में आगे बढ़ रही है।

जल परियोजनाओं पर तेजी से काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की आवश्यकता को देखते हुए सभी जिलों में जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए काम किया जा रहा है। राजस्थान में वर्तमान में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की जल परियोजनाएं संचालित हैं। करीब एक लाख करोड़ रुपये की रामजल सेतु लिंक परियोजना पर मिशन मोड में काम चल रहा है। करीब 34 हजार करोड़ रुपये के यमुना जल समझौते को भी धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि नहरी क्षेत्र के लिए इंदिरा गांधी नहर और गंग नहर के सुदृढ़ीकरण, उदयपुर क्षेत्र



के लिए देवास योजना, जवाई बांध में सोम-कमला-अंबा से पानी पहुंचाने तथा ब्राह्मणी नदी से बीसलपुर में पानी लाने की योजनाओं पर भी काम किया जा रहा है।

2027 तक किसानों को दिन में बिजली देने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश बिजली के क्षेत्र में भी



आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सरकार ने वर्ष 2027 तक पूरे प्रदेश में किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

पेपरलीक पर अंकुर, भर्तियों को मिली गति

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर युवाओं

को पेपरलीक का दर्श देने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने पेपरलीक पर अंकुर लगाया है और ढाई वर्षों में रिकॉर्ड भर्तियां की हैं। सरकार ने युवाओं को चार लाख सरकारी नौकरियां देने का संकल्प लिया था। अब तक एक लाख 89 हजार नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं, जबकि एक लाख 22 हजार नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं। इसके अलावा 70 हजार नई भर्तियों की तैयारी चल रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हित में भी लगातार काम कर रही है। किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बोनस के माध्यम से किसानों को आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है।

महिला सशक्तीकरण पर सरकार का जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, समृद्धि और ज्ञान का स्वरूप मानते हुए सर्वोच्च स्थान दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

के नेतृत्व में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जन-धन योजना, उज्ज्वला योजना, घर-घर शौचालय और जल जीवन मिशन जैसी पहलों से महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण को नई दिशा मिली है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं के राजनीतिक नेतृत्व के विकास का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में करीब 20 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। भाजपा सरकार प्रदेश की जनता से किए गए वादों को पूरा करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में सांगानेर में भी स्थानीय लोगों की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप उल्लेखनीय विकास कार्य कराए गए हैं। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, पूर्व विधायक शंकर सिंह राजपुरोहित, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रसन्न मेहता सहित जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

सिमरिया में अवैध हथियार और चोरी की चार मोटरसाइकिल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

चतरा@पद्मावत मीडिया।

सिमरिया थाना पुलिस ने अवैध हथियार और चोरी की मोटरसाइकिल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया



है। पुलिस ने उसके घर से एक देशी बंदूक और चोरी की चार मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार 25 अगस्त को वरीय अधिकारियों को सूचना मिली थी कि ग्राम काशियातु, टोला चोरवाड़ा निवासी मुकेश गंगु अपने घर में अवैध हथियार और चोरी की मोटरसाइकिल रखे हुए हैं। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम सूचना के आधार पर मुकेश गंगु के घर पहुंची। पुलिस को देखते ही घर से निकलकर भागने का प्रयास कर रहे मुकेश गंगु को सशस्त्र बल के सहयोग से पकड़ लिया गया। घर की तलाशी लेने पर एक देशी बंदूक और चोरी की चार मोटरसाइकिल बरामद हुईं। इस संबंध में सिमरिया थाना कांड संख्या 150/26, दिनांक 25 अगस्त 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(5)/3(5) एवं आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)ए/35 के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज नहीं, साइबर ठगी होते ही 1930 पर करें संपर्क : मुख्यमंत्री

पद्मावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागरिकों से साइबर ठगी के प्रति सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज नहीं होती। यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है तो बिना देरी किए साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें। सहाय्यी अतिथिगृह में महाराष्ट्र साइबर की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने साइबर जागरूकता लघु फिल्म डिजिटल अरेस्ट और 1930 महाराष्ट्र साइबर एंथम का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि साइबर ठगी के बाद शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण



होता है। शिकायत जल्द दर्ज होने पर ठगी की रकम को रोकने या वापस प्राप्त करने की संभावना अधिक रहती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि साइबर अपराधी पुलिस, सीबीआई या

न्यायाधीश के नाम का इस्तेमाल कर नागरिकों को डराने-धमकाने के साथ फर्जी कॉल, ओटीपी ठगी, पार्सल के नाम पर धोखाधड़ी और अन्य तरीकों से ठगी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि

किसी भी दबाव या डर में न आएँ और तत्काल 1930 पर शिकायत करें। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए जनजागरूकता सबसे प्रभावी उपाय है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में आवाज की नकल, डीपफेक और फर्जी ऑडियो-वीडियो जैसी नई चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। इनके प्रति नागरिकों को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में महाराष्ट्र साइबर की ओर से प्रस्तावित साइबर सेफ ऐप और आशा कॉल बॉट परियोजना की जानकारी भी दी गई। मुख्यमंत्री ने साइबर जागरूकता अभियान में योगदान देने वाले कलाकारों को सम्मानित किया।

अनाथ और दिव्यांग बेटियों ने राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को बांधी राखी

मुंबई@पद्मावत मीडिया।

रक्षाबंधन के अवसर पर अनाथ एवं दिव्यांग बेटियों, महिला सफाई कर्मचारियों, आशा सेविकाओं, स्वास्थ्य स्वयंसेविकाओं और आदिवासी महिलाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं ने लोकभवन मुंबई में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात कर उन्हें राखी बांधी। राज्यपाल ने सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उपहार भेंट किए।



राज्यपाल ने कहा कि रक्षाबंधन समाज के सभी वर्गों को एकजुट करने वाला पवित्र पर्व है। विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली महिलाओं और बेटियों के साथ रक्षाबंधन मनाकर उन्हें खुशी हुई। दिवंगत सिंधुताई सपकाल द्वारा पुरंदर में शुरू किए गए ममता बाल सदन की अनाथ एवं जरूरतमंद बेटियों ने राज्यपाल को राखी बांधी। इसके अलावा बृह-मुंबई महानगरपालिका के टोस कचरा प्रबंधन विभाग की महिला कर्मचारियों, आशा सेविकाओं और स्वास्थ्य स्वयंसेविकाओं ने भी उन्हें राखी बांधी। पालघर की आदिवासी महिलाओं ने बांस से बनी पर्यावरण अनुकूल राखी राज्यपाल को बांधी। ब्रह्माकुमारी संस्था, आर्य समाज माटुंगा की छात्राओं तथा नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड की दृष्टिहीन बेटियों ने भी राज्यपाल को राखी बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

नेपाल-तिब्बत सीमा पर कुदरत का कहर, रसुवा में भीषण बाढ़ से तबाही; सैकड़ों लोग लापता

टिमुरे और स्याफ्रुबेसी में बाजार, सड़क, पुल व जलविद्युत परियोजनाएं प्रभावित; पुलिस चौकियों को भी नुकसान, सेना के हेलीकॉप्टरों से बचाव अभियान जारी

पद्मावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

काठमांडू, नेपाल। नेपाल के रसुवा जिले में बुधवार सुबह तिब्बत की ओर से अचानक आई भीषण बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचा दी। भोटेकोशी नदी में अचानक आए उफान ने नेपाल-चीन सीमा के निकट टिमुरे, स्याफ्रुबेसी और आसपास के इलाकों को अपनी चपेट में ले लिया। बाजार, मकान, सड़कें, पुल, सीमा शुल्क क्षेत्र और जलविद्युत परियोजनाओं सहित कई महत्वपूर्ण ढांचे क्षतिग्रस्त हुए हैं। प्रारंभिक सूचनाओं में कई लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि बड़ी संख्या में लोग लापता बताए जा रहे हैं। राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। बाढ़ का पानी इतनी तेजी से बढ़ा कि लोगों को संभलने का भी पर्याप्त मौका नहीं मिला। टिमुरे और आसपास के नदी किनारे बसे क्षेत्रों में कई घर और अन्य संरचनाएं बह गईं। नेपाल-चीन सीमा के निकट



स्थित सीमा शुल्क क्षेत्र में खड़े वाहन और सामान भी तेज बहाव में बह गए। पिछले वर्ष बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए क्षेत्र में बनाया गया नया पुल भी इस बार के तेज बहाव को नहीं झेल सका और बह गया। बाढ़ की चपेट में नेपाल पुलिस के कई कार्यालय और चौकियां भी आई हैं। टिमुरे स्थित पुलिस कार्यालय, स्याफ्रुबेसी की पुलिस चौकी और रसुवागढ़ी क्षेत्र की पुलिस व्यवस्था को नुकसान पहुंचा है। कई सुरक्षा कर्मियों के लापता होने की सूचना के बाद उनकी तलाश की जा रही है।

बाढ़ का असर रसुवा से आगे नुवाकोट और धादिंग तक पहुंच गया है। त्रिशूली नदी का जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे बसे इलाकों में खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा और चितवन के नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने तथा जोखिम वाले क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। 14 जलविद्युत परियोजनाएं प्रभावित अचानक आई बाढ़ से क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। प्रारंभिक आकलन

के अनुसार 14 जलविद्युत परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं, जिनमें नौ संचालित और पांच निर्माणाधीन परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं की कुल क्षमता करीब 748 मेगावाट बताई गई है। बिजली उत्पादन और उससे जुड़ी बुनियादी संरचनाओं पर भी इसका असर पड़ा है। बाढ़ का पानी तिब्बत की ओर से नेपाल में प्रवेश करने के बाद भोटेकोशी नदी में तेजी से बढ़ा। प्रारंभिक रिपोर्टों में तिब्बती क्षेत्र में भूस्खलन या किसी अन्य प्राकृतिक घटना के कारण अचानक पानी बढ़ने की आशंका जताई गई

है। हालांकि बाढ़ के सटीक कारण की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नेपाल के अधिकारियों ने भी घटना की वास्तविक वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू की है। हेलीकॉप्टरों से बचाव अभियान तेज स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नेपाल सेना, नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल की टीमों राहत एवं बचाव अभियान में जुटी है। नेपाली सेना के हेलीकॉप्टर प्रभावित क्षेत्रों में भेजे गए हैं। कई स्थानों पर सड़क संपर्क और अन्य रास्ते क्षतिग्रस्त होने के कारण

हवाई बचाव अभियान महत्वपूर्ण हो गया है। कुछ प्रभावित क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर उतारने के लिए सुरक्षित स्थान नहीं मिलने की समस्या भी सामने आई है। सरकार ने चिकित्सा व्यवस्था को भी सतर्क कर दिया है। प्रभावित इलाकों से घायलों को सुरक्षित निकालकर अस्पतालों तक पहुंचाने की तैयारी की गई है। स्वास्थ्य संस्थाओं को संभावित रूप से बड़ी संख्या में घायलों के पहुंचने के मद्देनजर तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। बाढ़ की भयावह स्थिति को देखते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री

बालेन्द्र शाह ने आपात बैठक बुलाकर राहत एवं बचाव अभियान की समीक्षा की। सरकार ने सुरक्षा एजेंसियों और आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से राहत पहुंचाने तथा नदी किनारे के संवेदनशील इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने लोगों से नदी किनारे जाने से बचने, अफवाहों पर भरोसा नहीं करने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर विश्वास करने की अपील की है। बाढ़ का पानी नीचे की ओर बढ़ने

के कारण त्रिशूली नदी के किनारे बसे इलाकों में भी लगातार निगरानी रखी जा रही है। स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। अलग-अलग स्रोतों में मृतकों और लापता लोगों की संख्या में अंतर है। प्रभावित क्षेत्रों में संचार और सड़क संपर्क बाधित होने के कारण वास्तविक नुकसान का पूरा आकलन अभी नहीं हो पाया है। बचाव दल लगातार लोगों की तलाश में जुटे हैं और प्रशासन नुकसान तथा लापता लोगों से संबंधित विस्तृत जानकारी जुटा रहा है।

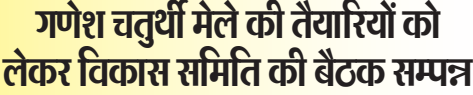
संक्षिप्त

मतदान, 14 सितंबर को मतगणना;

@पदमावत मीडिया। नगर निगम एवं नगरपालिका
सन् २०२६ के एड्रेसर जिल्ला निर्वाचन

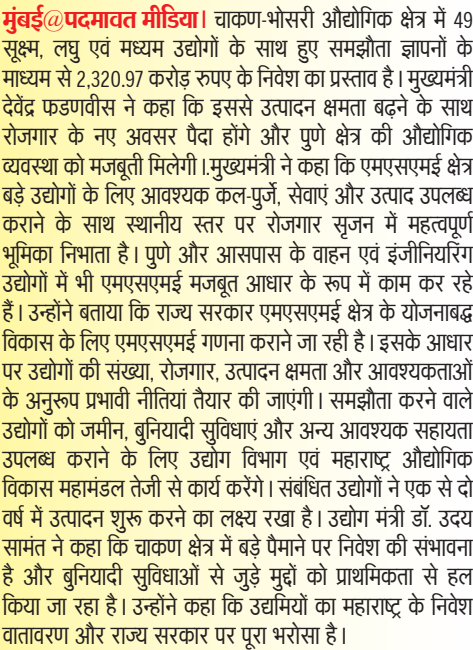
**त्रिवेणी हॉस्पिटल की छठी वर्षगांठ पर
56 यूनिट रक्तदान**

संवाददाता : माणकमल भंडारी



संवाददाता : माणकमल भंडारी

चाकण-भोसरी में 2,320 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव, 49 एमएसएमई से समझौते



padmavatmedia@gmail.com

शामिल हुए। हाथों में इस्लामी झंडे थामे लोग नात शरीफ पढ़ते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरे। जुलूस के दौरान पूरे मार्ग पर अकीदत-ए-पैगंबर हजरत मोहम्मद की शान में नात शरीफ पढ़ते हुए आगे बढ़ते रहे।

जुलूस शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ नूरशाह पीर दरगाह स्थित कब्राला मैदान पहुँचा, जहाँ इसका समापन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने जुलूस में शामिल होकर जश्न ईद मिलादुनबी की खुशियाँ साझा कीं। जुलूस के समापन के बाद कब्राला

मैदान में मिलाद शरीफ एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पीए टीरीकत सैय्यद मोहम्मद समसुद्दीन कादरी, सैय्यद मोहम्मद मुश्ताक कादरी पाटन और मौलाना कमालुद्दीन अकबरी गुजरात सहित कई उल्लेखनीय नातख्वाह शामिल हुए। नातख्वाह शाहिद बेग और हनीफ रज्जवी उदयपुर ने नात शरीफ पेश की। उल्लेखनीय पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की ज़िंदगी, उनके आदर्शों और शिक्षाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। अहमद ईसानिवरत मोहब्बत, भाईचारे और उनको का संदेश देते हुए समाज के शिक्षाओं को किया। समाज सेवा और उपलब्धियाँ 50 प्रतिभाओं जशने ईद मिले 7 हजार लोगों गई। समाज के शिक्षा कार्यक्रम रक्षा अशफाक नसीरुद्दीन स

लोगों से पैगंबर साहब की जीवन में अपनाने का आह्वान के दौरान शिक्षा, सामाजिक भ्रष्ट क्षेत्रों में उल्लेखनीय बदल करने वाली समाज की संस्था स्थापना किया गया।

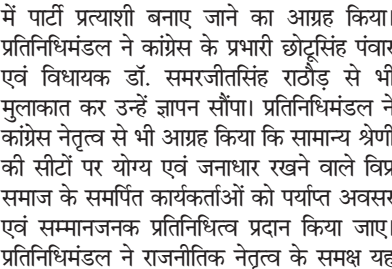
सन्तुलन के आयोजन में करीब 1000 लोग लिए लंगर की व्यवस्था की।

लोगों को बड़े-चुड़कर सहयोग में शहर का नज़दीक मौलाना समीर, मौलाना नसीम, मौलाना की, मौलाना नूर मोहम्मद,

मौलाना कमालुद्दीन, मौलाना साजिद सिद्दीकी, मौलाना इस्लामुद्दीन सिकन्दरी, मौलाना अनवर सिद्दीकी, मौलाना नसीरुद्दीन अकबरी अकबरी मौलाना समीर सिद्दीकी सहित कई उलेमा मौजूद रहे। इसके अलावा कोटवाल समाज प्रदेशस्थित हाजी सतार खाजी, मुस्लिम समाज अध्यक्ष मुस्ताक अली, पूर्व अध्यक्ष हाजी रशीद खान, साबिर शेख, पूर्व पार्षद देव ईकवाल खान, जाफर खान, एडवोकेट रस्तम खान, जाकिर हुसैन, फियाज खान सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए।

padmavatmedia@gmail.com

मीनमाला। नर निकाय चुनावों के मद्देनजर विप्र फाउंडेशन जालौर ने विप्र समाज के योग्य एवं सक्रिय प्रतिनिधियों को लोकतांत्रिक एवं राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिलाने की दिशा में पहल कर रहे हुए जिले के प्रमुख राजनीतिक नेतृत्व से संपर्क कर जापान सीप। इसी क्रम में विप्र फाउंडेशन के प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा जिलाध्यक्ष जसरजारा राजपुरोहित से भेंट कर जापान सीप। तथा जिले की नगर परिषदों एवं नगरपालिकाओं में सामान्य श्रेणी की पाण्डे सीटों पर योग्य, कर्मठ, सामाजिक रूप से सक्रिय एवं जनसेवा के प्रति पबिद्ध ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों को अधिकाधिक संख्या



भी अपेक्षा व्यक्त की कि प्रत्याशी चयन में योग्यता जनसेवा, सामाजिक संस्कार, सांठनात्मक निष्ठा, स्वच्छ छवि एवं जनस्वीकारिता जैसे मानकों में प्रार्थमिकता दी जाए, ताकि नगर निकायों में सक्षम एवं समर्पित जनप्रतिनिधियों का चयन हो सके। वि. फाउंडेशन के राष्ट्रीय कार्यक्रमों पर सदैव दिनेश दवे ने कहा कि लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व केवल राजनीतिक अवसर नहीं, बल्कि समाज की प्रतिभाक्षमता और सेवा-भाव को जनसेवा के व्यापक मंच में जोड़ने का माध्यम है। वि. फाउंडेशन का उद्देश्य प्रत्येक राजनीतिक विचारधारा के नेतृत्व के समक्ष समाज की भावना को सम्मानपूर्वक रखना और योग्य प्रतिनिधित्व के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। इस अवसर पर वि. फाउंडेशन सहित उपाध्यक्ष मानागर जगपुरोहित एवं कलुराम जिला प्रतिनिधिमंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

padmavatmedia@gmail.com

अनुसंधान शुरू किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र पारीक एवं वृत्ताधिकारी नरेन्द्रपाल सिंह के मार्गदर्शन में थानाधिकारी कांकरोली सरोज बैरवा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल एवं संभावित मार्गों पर लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके बाद भीलवाड़ा, गंगपुर, रेलमगरा सहित अन्य स्थानों पर सदियों की तलाश में दबिशा दी गई। पुलिस टीम ने उमराव लोहार, बाबूलाल शर्मा एवं सावरमल उर्फ कनिया बागिराजी को दस्तयाब कर गहन पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने अपने साधुओं के साथ

मेलकर कांकरोली, भीलवाड़ा,
चिचौतीइण्ड एवं दिल्ली में चोरी
की वारदातें करना स्वीकार किया।
समयके बाद तीनों को गिरफ्तार कर
लिया गया। गिरफ्तार आरोपी उमराव
लोहार पुत्र लादूलाल, उम्र 55 वर्ष,
निवासी कोटिया, थाना फुलिया फाट,
जिला भीलवाड़ा, हाल रेलवे काफ़क
के पास, विजयनगर, जिला ब्यावर;
बाबूलाल पुत्र मिश्रीलाल शर्मा, उम्र
55 वर्ष, निवासी वाटर बॉक्स के
पास, विजयनगर, जिला ब्यावर तथा
सावरमल उर्फ कनिया पुत्र बद्रीलाल
बागरिया, उम्र 27 वर्ष, निवासी
कोटिया, थाना फुलिया कलां, जिला
भीलवाड़ा हैं। मामले में सत्यनारायण
पुत्र किशनलाल बागरिया, उम्र 25
वर्ष, निवासी सुरजपुरा, थाना सरवाड़,

जिला अजमेर तथा रामचरण पु
रामलाल बागरिया, उम्र 24 वर्ष
निवासी भाटोला, थाना सर्वाड़ा
जिला अजमेर वांछित है। पुलिस
उनकी तलाश में जुटी हुई है।
पुलिस जांच में गिरफ्तार आरो
उमराव लोहार का विभिन्न जिलों
दिल्ली के थाना क्षेत्रों में चोरी सहित
अन्य मामलों का अपराधिक रिकॉर्ड
सामने आया है। वहीं सावरंमल
उर्फ सावरा उर्फ खिल्टी उर्फ कनि
बागरिया के डिप्टी भी अजमेर
जयपुर, भीलवाड़ा एवं उदयपुर सहित
विभिन्न थाना क्षेत्रों में कई प्रकार
होना सामने आया है। पुलिस आरो
से पूछताछ कर रही है, जिसमें अ
चोरी की वारदातों और गिरह
जुड़े लोगों के संबंध में महत्वपू
खुलासे होने की संभावना है। इस
कारणवाई में थानाधिकारी सरोज बैवा
सहायक उप निरीक्षक रमेशलाल, कां
कांस्टेबल विक्रम सिंह, कांस्टेब
महेंद्र, मुलचंद, संपत, सुरेश ए
सुरेन्द्र तथा साइबर सेल से सहाय
उप निरीक्षक शंभूप्रताप, कांस्टेब
इंद्र नौयल, ओमप्रकाश एवं बुधरा
शामिल थे।

दिवंगतों को श्रद्धांजलि, शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना; घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

padmavatmedia@gmail.com

मुद्दा। नेपाल में बाढ़ के कारण हुए हादसे में जनहानि की खबर से दुखी होकर एक राईय अथथक्ष मीडिया सेल पवन जैन पदमावत ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनसे परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। पवन जैन पदमावत ने कहा कि नेपाल में बाढ़ के कारण आया यह हादसा बेहद दुखद है। इस त्रासदी में अपने परिवारों को खोने वाले परिवारों के दर्द को शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथसाथ हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें इस कठिन समय को सहन करने की शक्ति मिले। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि जिन परिवारों ने इस हादसे में अपनी को खोया है, उनके प्रति संवेदना व्यक्त करना हम सभी का



कई परिवारों का दर्द और अपनों को खोने का दुख जुड़ा होता है। ऐसे समय में संवेदना, सहयोग और मानवीयता भावना को सबसे अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। पवन जैन पदमावत ने नेपाल के बाढ़ प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा को शांति प्रदान करने, घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ देने तथा प्रभावित परिवारों को इस दुख की घड़ी में संभल प्रदान करने की प्रार्थना की।

padmavatmedia@gmail.com

मुंबई। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा के मादक पदार्थ विरोधी कक्ष की वरली इकाई ने चरस को बंदी बरामदगी के मामले में बिहार से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 17 अगस्त को क्षेत्रीय न्यायाधीश के पास बांद्रा पूर्व क्षेत्र की करीब 10 किलो 10 ग्राम चरस जब्त की थी, जिसकी अनुमानित कीमत 10 करोड़ 1 लाख रुपये बताई गई थी। मामले की आगे की जांच में गिरफ्तार आरोपी ने चरस की आपूर्ति करने वाले व्यक्ति से संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी जिसके आधार पर पुलिस टीमा बिहार भेजी गई।

पुलिस के अनुसार 17 अगस्त 2026 को मादक पदार्थ विरोधी कक्ष, वरली इकाई की टीम ने बांद्रा पूर्व क्षेत्र के पास एक व्यक्ति से करीब 10 ग्राम वजन का चरस नामक मादक पदार्थ जब्त किया था।



जले के मोतिहारी क्षेत्र में कारंवाई की। 23 अगस्त 2026 को आरोपी को रक्सौल में उस समय पकड़ लिया गया, जब वह नेपाल भारत की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर मुंबई लाया और मामले में आगे की कानूनी कारंवाई शुरू की।

यह कारंवाई मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती, पुलिस सह आयुक्त अनिल कुंभारे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कृष्णकान्त उपाध्याय, पुलिस उपायुक्त पौर्णिमा चौगुले-श्रीणी तथा सहायक पुलिस आयुक्त सुधीर हिरडेकर के मार्गदर्शन में की गई। कारंवाई में मादक पदार्थ विरोधी कक्ष, वरली इकाई के प्रभारी पुलिस निरीक्षक संतोष सालुंखे, सहायक पुलिस निरीक्षक रविण वाघ, पुलिस उपनिरीक्षक किताब साळी और पुलिस दल शामिल रहा। पुलिस की इस कारंवाई से करीब 10 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ को तत्सर्गी के मामले में एक महत्वपूर्ण कड़ी सामने आई है।

